

Inhalt

| | |
|-------------------------|----|
| winterland | 9 |
| himmelerde | 11 |
| der vor mir läuft | 13 |
| übermorgen | 15 |
| seitentäler | 17 |
| neben mir mein herz | 19 |
| zwischenrein | 21 |
| ortsverzeichnis | 23 |
| bewölkung | 25 |
| zeichensprache | 27 |
| vor dem hausbau | 29 |
| drachenwut | 31 |
| seeschlangen | 33 |
| bären und auerochsen | 35 |
| fuchs und brombeere | 37 |
| ungestüm | 39 |
| das blinzeln des wals | 41 |
| flugbewegung | 43 |
| andere erde. neue erde. | 45 |
| einer geht | 47 |
| maikind | 49 |
| steinwurf | 51 |
| spaziergänger | 53 |
| tanzpotenziale | 55 |
| morgenland | 57 |
| doppelmaske | 59 |
| denkwässer | 61 |
| offene wunde | 63 |

| | |
|------------------------------|-----|
| kind aus alten tagen | 65 |
| nussmuschel | 67 |
| ein haus verlassen | 69 |
| beiläufig | 71 |
| nicht fertig werden | 73 |
| das leise lachen der provinz | 75 |
| am wegrand | 77 |
| hasenwelt | 79 |
| schreckstaunen | 81 |
| hinweise | 83 |
| regentrauer | 85 |
| amselpfade | 87 |
| nachteulen | 89 |
| fremde worthäuser | 91 |
| bin gern unterwegs | 93 |
| was bleibt | 95 |
| übers dunkelmeer | 97 |
| weit vom stamm | 99 |
| springsätze | 101 |
| wehleid | 103 |
| nebelprinzen | 105 |
| schwarzauge im zweifelland | 107 |
| kastanie | 109 |
| verstummen | 111 |
| morgentau | 113 |
| himmelsgucker | 115 |
| über den tod hinaus | 117 |
| stilles leben | 119 |
| tropfworte | 121 |
| sprachhüpfer | 123 |

| | |
|------------------------|-----|
| rabenlob | 125 |
| schlaflose keller | 127 |
| morgenmond | 129 |
| der eselsreiter | 131 |
| herbstlicht | 133 |
| kuss | 135 |
| lange weile | 137 |
| kind im blech | 139 |
| nebelbänke | 141 |
| am stadtrand | 143 |
| mirabellenstiche | 145 |
| fundstücke | 147 |
| mausfalke | 149 |
| zwei schiffe | 151 |
| arbeitswut | 153 |
| schlaflos | 155 |
| rotblau | 157 |
| der pfauenturm | 159 |
| an einem ende der welt | 161 |
| ein anderer januar | 163 |
| zufallendes | 165 |
| heimat | 167 |